क्रेशर संचालक ने ताक पर रखे नियम कायदे
ब्लास्टिंग के साथ पत्थर खदान को बना दी खाई

शहडोल।

जिले के बुढ़ार विकास खण्ड अंतर्गत जरवारी के मरजात टोला में रणजंय स्ट्रोन के संचालक मनीष सिंह द्वारा क्रेशर संचालित किया जा रहा है, उक्त क्रेशर के लिए जहां खदान स्वीकृत हुई थी, वहां तय सीमा से अधिक गहराई तक पत्थर निकालने के लिए खुदाई की जा रही है। पत्थर खदानों से किए गए खनन के बाद कई जगह पर मौत की खाई तैयार हो गई है। नियमों को ताक में रखकर पत्थर खदानों में खनन का सिलसिला बीते कई सालों से हो रहा है। पत्थर खदानों में गहरे होल कर ब्लास्टिंग की जा रही है। क्षेत्र में संचालित पत्थर खदान में पिछले कुछ सालों में हुई हैवी ब्लास्टिंग से गहरी खाई बन गई हैं। पत्थर उत्खनन से तैयार खाई में हमेशा हादसों की आशंका बनी रहती है।

यह है मामला

बुढ़ार विकास खण्ड अंतर्गत जरवारी के मरजात टोला में मनीष सिंह का रणजंय स्टोन क्रेशर संचालित है, क्रेशर संचालक के दिन-रात अवैध खनन से एक ओर जहां सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है तो, वहीं पर्यावरण को भी नुकसान हो रहा है। रात के समय खदान में क्रेशर संचालक ब्लास्टिंग करता हैं, वहीं दिन भर ट्रैक्टरों से मजदूर पत्थरों की ढुलाई करने में लगे रहते हैं। इन सबके बावजूद खनिज विभाग कार्यवाही करने की जहमत तक नहीं उठाता है, अगर ऐसा ही चलता रहा तो, आने वाले दिनों में कोई हादसा हो सकता है।

पर्यावरण को लेकर सजग नहीं संचालक

जमीन से 6 मीटर नीचे खुदाई करने से पहले पर्यावरण विभाग की मंजूरी लेना पड़ती है, जो संभवतः क्रेशर संचालक के पास नहीं है। यह सब इसलिए हो रहा है क्योंकि जिले का प्रशासन-शासन द्वारा बनाए गए नियमों का पालन कराने में अब तक असमर्थ दिखाई दिया है। लिहाजा पर्यावरण प्रदूषण लगातार फैलता जा रहा है, शासन और प्रशासन खनिज नियमों के साथ पर्यावरण सुरक्षा के लिए बनाए अधिनियमों का सही तरीके से पालन कराता तो शायद यह स्थिति मरजात में न होती। पत्थर खदान की घेराबंदी या उसे सीढ़ीनुमा बनाने की तरफ खदान के मालिक ने कभी ध्यान नही दिया, वहीं क्रेशर मशीनों के आस-पास पेड़ पौधे भी नहीं लगाए गए हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि क्रेशर संचालक पर्यावरण को लेकर कितने सजग हैं।

प्रतिबंधित विस्फोटक का उपयोग

पत्थर के अवैध खनन का धंधा मरजात में फल-फूल रहा है। सूत्रों की माने तो उक्त खदान में खनन में प्रतिबंधित विस्फोटक अमोनियम नाइट्रेट का भी प्रयोग होता है। चर्चा है कि उक्त खदान संचालक को खनिज विभाग ने जिन नियम शर्तों के अलावा जितना भू-खण्ड पत्थर उत्खनन के लिए दिया था, उससे कहीं अधिक क्षेत्र में उत्खनन का कार्य किया गया है, इसके अलावा पत्थर खदान संचालक ने पत्थर उत्खनन स्थल को खाई के रूप में परिवर्तित कर दिया है, अगर जांच होती है तो, पत्थर खदान के संचालक के कलई तो खुलकर सामने आयेगी।

प्राकृतिक सुंदरता हो रही नष्ट

बुढ़ार क्षेत्र में संचालित क्रेशर के संचालक द्वारा ऑफ रिकार्ड खनिज विभाग की अनुमति से खाई का निर्माण किया जा रहा है, चर्चा है कि पत्थर उत्खनन के साथ ही मुरुम की खदान बना कर धड़ल्ले से अवैध कारोबार किया जा रहा है। क्षेत्र में चर्चा है कि ग्राम पंचायत का प्रस्ताव और खनिज विभाग की अनुमति के बगैर मुरूम और पत्थरों का अवैध उत्खनन करने से प्राकृतिक सुंदरता नष्ट हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि आस-पास के ग्रामीण अंचल में क्रेशर मालिक द्वारा पत्थर का उत्खनन कर खाई निर्मित कर दी है, जिससे घटना की आशंका के साथ ही पानी की समस्या गहराती जा रही है, साथ ही आस-पास के नाले भी आने वाले दिनों में सूख जायें, इससे इंकार नहीं किया जा सकता।

खबर संक्षेप

जिला स्तरीय तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

शहडोल। डिप्टी कलेक्टर श्रीमती एंटोनिया एक्का ने बताया कि आपदा प्रबंधन संस्थान गृह विभाग भोपाल के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश में भूकंपपूर्व तैयारी एवं क्षमतावर्धन कार्यक्रम अंतर्गत जिला स्तरीय भूकंपरोधी संरचना निर्माण विषयक प्रशिक्षण का आयोजन कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में प्रारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण 17 अक्टूबर 2025 तक अधिकारियों एवं कर्मचारियो को दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में प्रतिभागी भूकंप आपदा प्रबंधन बिल्डिंग कोड्स, फायर सेफ्टी कोड, स्ट्रक्चर एनालिसिस सॉफटवेयर आदि के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के नोड़ल अधिकारी, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, श्री केएस इनवाती ने भवन निर्माण के समय भूकंप से बचाव हेतु भवन निर्माण तकनीक के संबंध में जानकारी दी।

जनजातीय बाहुल्य ग्रामों को आत्मनिर्भर बनाने कलेक्टर ने की समीक्षा

शहडोल। कलेक्टर डॉ केदार सिंह ने बताया कि भारत सरकार द्वारा जनजातीय ग्रामों को विकास की मुख्य धारा से जोडऩे तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए आदि कर्मयोगी अभियान की शुरूआत की गई है। जिले के 562 ग्रामों में यह अभियान संचालित किया जा रहा है। विभिन्न सेवाओं का लाभ लेने के लिए ग्राम स्तर पर आदि सेवा केन्द्र संचालित हैं। जिले में आदि कर्मयोगी योजना अंतर्गत ग्रामवार योजना तैयार की गई है। आदि कर्मयोगी अभियान की कार्य योजना के क्रियान्वयन के लिए संबंधित ग्रामों में तथा जनपद स्तर पर संबंधित एसडीएम की अध्यक्षता में जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में क्रियान्वयन एवं मॉनीटरिंग समितियों का गठन किया गया है। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जयसिंहनगर सुश्री काजोल सिंह, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अन्तोनिआ एक्का, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनन्द राय सिन्हा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कर्नल-सुबेदार मेजर ने कलेक्टर को भेंट की प्रतीक चिन्ह एवं प्रमाण पत्र

शहडोल। राज्यपाल मंगूभाई पटेल द्वारा कलेक्टर डॉ. केदार सिंह को सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि 2023-24 में लक्ष्य से अधिक राशि का संकलन कर सराहनीय योगदान देने के लिए प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सैनिक कल्याण बोर्ड की ओर से कर्नल अरूण शुक्ला एवं सुबेदार मेजर ओंकार गवली द्वारा कलेक्टर शहडोल को प्रतीक चिन्ह एवं प्रमाण पत्र भेंट किया गया। सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि 2023-24 में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह द्वारा निर्धारित लक्ष्य 468600 रूपये से अधिक 478744 रूपये की धनराशि एकत्रित करने में सराहनीय योगदान रहा। कर्नल अरूण शुक्ला ने बताया कि सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के माध्यम से एकत्र राशि का उपयोग शहीद सैनिक परिवारों एवं उनकी विधवाओं के कल्याण के कार्यों में व्यय की जाती है।

सीईओ ने ग्राम पंचायत कार्यलिय एवं विद्यालयो का किया निरीक्षण

शहडोल।

जिले की जनपद पंचायत जयसिंहनगर की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती शिवानी जैन ने क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायत कुबरा, झारा, लखनौटी, सरवारी एवं प्राथमिक माध्यमिक विद्यालयो का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीईओ जनपद पंचायत ने ग्राम पंचायतो में शासकीय योजनाओ के क्रियान्वयन के संबंध में ग्राम पंचायत सचिवो से जानकारी ली तथा किये जा रहे कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सचिवों एवं रोजगार सहायको को निर्देश दिए कि ग्राम पंचायतो में सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतो का संतुष्टिपूर्वक निराकरण कराएं जिससे ग्रेडिंग में सुधार लाई जा सकें। सीईओ ने निर्माणाधीन पीएम आवास एवं गौशाला संचालन की भी जानकारी प्राप्त की।

सीईओ ने विद्यालयो का निरीक्षण कर शैक्षणिक गतिविधियो एवं मध्यान्ह भोजन के संचालन एवं गुणवत्ता की जानकारी ली। उन्होंने स्कूल के विद्यार्थियो से एमडीएम में मिलने वाले भोजन की मात्रा तथा परोसी जाने वाली भोजन सामग्री के संबंध में भी पूछतांछ की। उन्होंने कहा कि मध्यान्ह भोजन के संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही नही बरती जाए, विद्यार्थियो को गुणवत्तायुक्त भोजन वितरित करें। इस अवसर पर उन्होंने किचेन की साफ-सफाई तथा उपयोग किये जाने वाले अनाज भण्डारण का भी जायजा लिया। विद्यालय परिसर का भ्रमण कर परिसर की साफ-सफाई तथा शौचालयो की साफ-सफाई का भी निरीक्षण किया।

देवलोंद पुलिस की बड़ी कार्रवाई
तीन पशु तस्कर गिरफ्तार, 35 मवेशी मुक्त

शहडोल।

जिले के देवलोंद थाना प्रभारी सुभाष दुबे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए पशु तस्करी में लिप्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने बुड़वा-सुबाड मार्ग पर नाकेबंदी की, जहां सुखाड़ नवघटा पुल के पास ट्रक क्रमांक यूपी 96 टी 4582 को रोका गया। जांच में ट्रक के भीतर 16 भैंसें और 19 पड़वा निर्दयता पूर्वक ठूंस-ठूंसकर भरे हुए मिले, जो भूख-प्यास से तड़प रहे थे।

वाहन चालक दीपक दाहिया निवासी सिंहपुर जिला सतना तथा साथी पुष्पराज यादव निवासी सेमरिया, सीधी और इस्लाम खान निवासी मझौली, सीधी से जब मवेशी परिवहन के दस्तावेज मांगे गए, तो वे कोई अनुमति नहीं दिखा सके। पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि यह मवेशी ग्राम कुदरी सीधी से कानपुर उ.प्र. बेचने के लिए व्यापारी मुबारक खान के कहने पर ले जाए जा रहे थे। आरोपियों ने यह भी बताया कि कल्लू बाबा खान और छोटू सिंह नामक व्यक्ति पायलटिंग कर पार कराने में मदद करते हैं। थाना प्रभारी सुभाष दुबे ने तत्परता दिखाते हुए ट्रक, उसमें भरे मवेशी और तीनों आरोपियों को मौके पर ही कब्जे में ले लिया। ट्रक और मवेशियों की कुल कीमत करीब 16 लाख 30 हजार रुपये आंकी गई है। जब्त मवेशियों को *तीर्थ गौशाला समिति बाणसागर के देखरेखकर्ता आयुष यादव को सुपुर्द किया गया और पशु चिकित्सक से जांच कराई जा रही है।

पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध *पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11(घ)(ड) एवं मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 66/192(क) के तहत मामला दर्ज किया है। थाना प्रभारी सुभाष दुबे एवं उनकी टीम भरत शुक्ला, चित्राशू शुक्ला, अभिषेक तिवारी और ओमप्रसाद तिवारी की इस मुस्तैदी और संवेदनशील कार्रवाई की सराहना क्षेत्र में की जा रही है। इस कार्रवाई से पशु तस्करों में हडक्रंप मच गया है।

परिजनों का आरोप: इलाज में लापरवाही, जेल प्रबंधन पर उठे सवाल
शहडोल जिला जेल में कैदी की संदिग्ध मौत!

शहडोल।

जिला जेल में सजा काट रहे अभिषेक साहू उर्फ आशु साहू की मौत ने जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। शराब बिक्री के मामले में सजा काट रहे इस युवक की हालत बिगडऩे के बाद उसे बीते दिवस जिला जेल से शहडोल मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों के मुताबिक, अभिषेक के फेफड़ों में गंभीर संक्रमण (इंफेक्शन) पाया गया था। प्रारंभिक जांच में टीबी (ट्यूबरक्लोसिस) नहीं पाई गई, लेकिन चिकित्सकों ने उसके नमूने आगे की जांच के लिए भेज दिए हैं। वहीं डॉक्टरों का कहना है कि लक्षणों को देखते हुए यह मामला फेफड़ों के कैंसर से जुड़ा भी हो सकता है। जानकारी के अनुसार, करीब डेढ़ माह पहले अभिषेक साहू को आबकारी विभाग की कार्रवाई के बाद गिरफ्तार किया गया था। अवैध शराब बिक्री के आरोप में उसे अदालत ने सजा सुनाई थी और वह तब से शहडोल जिला जेल में बंद था। जेल सूत्रों के मुताबिक, उसे नियमित रूप से जेल के चिकित्सक द्वारा दवाएं दी जा रही थीं, लेकिन पिछले कुछ दिनों से उसकी हालत बिगड़ती जा रही थी। इसी बीच स्वास्थ्य में गंभीर गिरावट आने पर उसे मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया।

परिजनों ने जेल प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप

मृतक अभिषेक के परिजन, जो कि किरण टॉकीज मोहल्ला, शहडोल के रहने वाले हैं, ने जिला जेल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। परिवार का कहना है कि जेल प्रशासन ने समय रहते अभिषेक का इलाज नहीं कराया और उनकी तबीयत बिगडऩे की जानकारी परिजनों को समय पर नहीं दी गई। परिवार का दर्द यह है कि यदि उसे समय पर इलाज और ध्यान मिलता, तो शायद उसकी जान बचाई जा सकती थी।

जेल प्रबंधन ने दी सफाई

वहीं दूसरी ओर, जेल प्रशासन ने इन आरोपों को निराधार बताया है। जेल सूत्रों का कहना है कि अभिषेक की बीमारी की जानकारी मिलते ही उसे तुरंत मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था और इलाज के हर संभव प्रयास किए गए। अब सवाल यह उठता है कि आखिर एक कैदी की हालत इतनी गंभीर कैसे हुई जबकि जेल में नियमित स्वास्थ्य जांच का दावा किया जाता है? क्या सच में इलाज में देरी हुई या मामला स्वाभाविक बीमारी का था, यह अब प्रशासनिक जांच का विषय बन गया है। फिलहाल, अभिषेक साहू की मौत से शहडोल जिला जेल प्रबंधन पर सवालों का तूफ़ान खड़ा हो गया है। परिजन न्याय की मांग कर रहे हैं, वहीं प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का किया गया निरीक्षण

शहडोल। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम करने हेतु खाद्य सुरक्षा अधिकारी आर. के. सोनी द्वारा दीपावली त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए जनपद पंचायत जयसिंहनगर एवं ब्यौहारी में स्थित बीकानेर स्वीट्स, और बताओ रेस्टोरेंट, अमन डेरी एंड स्वीट्स, अजय डेरी एंड स्वीट्स, महालक्ष्मी स्वीट्स प्रतिष्ठान में निरीक्षण किया। उन्होंने दुकान संचालकों को उच्च गुणवत्ता की खाद्य सामग्री रखने एवं मिलावट न करने की समझाइश दी तथा प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई रखने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान गुणवत्ता की जांच हेतु मिल्क केक, खोवा कतली, खोवा, बेसन लड्डू, कैडबरी सेलिब्रेशन का सैंपल जांच के लिए लिया गया। जिसे खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया, जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

एक पेड़ माँ के नाम और बाकी अवस्थी के काम! वन अमला नींद में, जंगलों में खैर का खेल जारी

शहडोल।

जहाँ शासन चला रहा है एक पेड़ माँ के नाम का अभियान, वहीं शहडोल के जंगलों में माफिया चला रहे हैं एक पेड़ मुनाफे के नाम का अभियान। यह व्यंग्य अब हकीकत बन चुका है। शहडोल वन मण्डल के बिजौरी और छीरपटपर क्षेत्र में खैर की लकड़ी की अवैध कटाई ने जंगलों की हरियाली को लहूलुहान कर दिया है। वन माफिया अवस्थी ने मानो जंगल को अपनी निजी बपौती समझ लिया है। खुलेआम कटाई, बाहरी मजदूरों की आवाजाही और हरे-भरे पेड़ों का सफाया—यह सब वन अमले की मौन स्वीकृति के साथ चल रहा है।

खैर कटाई के सबूत मिटाने में माहिर माफिया - छीरपटपर और आस-पास के इलाकों में पेड़ों की कटाई के बाद लकड़ी को छिपाने की पूरी व्यवस्था रहती है। ग्रामीणों के अनुसार, अवस्थी नामक माफिया के इशारे पर बाहर से मजदूर लाए जाते हैं और कटे पेड़ किसी के खेत या झाड़ियों में छिपा दिए जाते हैं। विभाग की गश्त यदि आती भी है, तो सब कुछ साफ-सुथरा दिखाया जाता है। आखिर सफाई अभियान तो विभाग भी चलाना जानता है।

जांच में उजागर हुआ हरा सच- 10 अक्टूबर शुक्रवार को जब शहडोल वन मण्डल की टीम ने जांच की, तो उन्हें कुछ नहीं मिला, क्योंकि शायद माफिया के पास विभाग से तेज़ सूचना नेटवर्क है, लेकिन अगले ही दिन 11 अक्टूबर को डीएफओ ने जब स्वयं दल गठित कर जांच कराई, तो मामला खुल गया। जंगल में कटे खैर के पेड़ साफ दिखे। यानी जब डीएफओ ने कमान संभाली, तभी वन विभाग का स्लीप मोड बंद हुआ। डीएफओ की तत्परता और जांच की गंभीरता की ग्रामीणों ने सराहना की है। यही वह कार्यशैली है जिसकी उम्मीद आम जनता हर जिम्मेदार अधिकारी से करती है। यदि इसी तरह सख्ती और पारदर्शिता से काम होता रहा तो, शायद जंगलों की हरियाली फिर से लौट सके। हालाकि वन विभाग द्वारा अब तक पूरे मामले को सार्वजनिक नहीं किया गया है, जिससे पूरी जानकारी स्पष्ट नहीं हो पा रही है।

शासन के नारे और वन विभाग की विडंबना- सरकार पेड़ बचाने के लिए 'एक पेड़ माँ के नाम' जैसे प्रेरक अभियान चला रही है, परंतु धरातल पर एक पेड़ माफिया के नाम का नारा ज़्यादा प्रभावी दिख रहा है। बिजौरी और छीरपटपर के जंगलों में खैर के पेड़ों का कटना इस बात का प्रमाण है कि नीति और नीयत के बीच खाई बढ़ चुकी है। स्थानीय ग्रामीण और पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि जब तक अवस्थी जैसे माफियाओं पर नकेल नहीं कसी जाएगी, तब तक जंगलों की सुरक्षा केवल फाइलों और प्रेस नोटों में ही जीवित रहेगी। जनता अब 'ड्रामा नहीं, कार्रवाई' चाहती है।

नाम सुधार सूचना

मैं विजय पटेल पिता श्री प्रेमदास पटेल उम्र 38 वर्ष निवासी सिगुड़ी थाना व तहसील मानपुर जिला उमरिया (म.प्र.) यह कि मेरे पुत्र मयंक पटेल पिता विजय पटेल के आधार कार्ड में मनु पटेल पिता विजय पटेल लेख कर दिया गया है जो कि गलत नाम लेख है। जबकि मेरे पुत्र का सही नाम मयंक पटेल पिता विजय पटेल है लेकिन आधार कार्ड में गलत नाम मनु पटेल पिता विजय पटेल प्रविष्ट होने से मेरे पुत्र को शासकीय कार्यो व अन्य कार्यो में भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। मेरे पुत्र के आधार कार्ड में मनु पटेल पिता विजय पटेल नाम विलोपित कर सही नाम मयंक पटेल पिता विजय पटेल दर्ज कराये जाने के पक्ष समर्थन में यह शपथ पत्र नोटरी महोदय समक्ष तहरीर व तस्दीक करा रहा है।

दिनांक 14 अक्टूबर 2025
स्थान- मानपुर

खबर संक्षेप

सीएमएचओ ने मेडिकल स्टोर का किया निरीक्षण

उमरिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.व्ही.एस.चंदेल ने विकासखंड करकेली स्थित मेडिकल स्टोर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वंशिका मेडिकल स्टोर के रजिस्ट्रेशन व एक्सपायरी मेडिसिंस के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई।साथ ही कफ सिरप के संबंध में चर्चा कर समझाइश दी गई। मेडिकल के संचालन के नियम एवं रखरखाव तथा साफ सफाई ना पाए जाने पर नोटिस जारी की गई।काव्य पैथोलॉजी की जांच करने पर पंजीयन दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए जिस पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा नाराजगी जताते हुए बिना पंजीयन दस्तावेज उपलब्ध कारण पैथोलॉजी बंद करने के निर्देश दिए गए एवं नोटिस जारी की गई।

एसडीएम ने स्थाई विस्फोटक दुकानों का किया निरीक्षण

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने दीपावली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए सभी एसडीएम को स्थाई विस्फोटक दुकानों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए थे। निर्देश के परिपालन में एसडीएम बांधवगढ़ हरनीत कौर कलसी ने उमरिया स्थित स्थाई विस्फोटक दुकानों एवं विनिर्माण केंद्र का औचक निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए । उन्होने दुकानों का निरीक्षण करते हुए कहा कि विस्फोटक सामग्री का विक्रय मापदंडों के अनुसार किया जाए। विस्फोटक स्थल के आस पास सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जाएं,ताकि किसी भी प्रकार की जन हानि नही होने पाए। चाइनीज पटाखों की बिक्री नही की जाए।उन्होंने निर्देशित किया किसी भी स्थिति में नाबालिग बच्चों को पटाखे बनाने एवं बेचने के कार्यों में नहीं लगाया जाए। निरीक्षण के दौरान एसडीओपी नागेंद्र प्रताप सिंह,अधीक्षक भू अभिलेख एल के शर्मा उपस्थित रहे ।

बिजुरी पुलिस ने जुआं खेलते पकड़े जुआरी

बिजुरी। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर्र रहमान द्वारा जिले में जुएँ सट्टे पर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है की जिसके अनुपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एसडीओपी कोतमा श्रीमती आरती शाक्य के निर्देशन मेंमुखबिर तंत्र सक्रिय कर कार्यवाही की जा रही है। मुखबिर सूचना पर बिजुरी पुलिस द्वारा 14 अक्टूबर को काली मंदिर के पास बिजुरी में जुआ का फड लगाकर जुआ खेलते पाए जाने से रेड कार्यवाही कर जुआडियान धर्मदास उर्फ बब्बू बंसल पिता प्रेमलाल बंसल उम्र 35 वर्ष निवासी वार्ड नं 11 छतहा मोहल्ला,मंगल कोल पिता राजेन्द्र प्रसाद कोल उम्र 22 वर्ष,देवा कोल पिता पंचू कोल उम्र 22 वर्ष,मनोज कुमार कोल पिता बैजनाथ कोल उम्र 26 वर्ष, हूपलाल कोल पिता कंधी कोल उम्र 20 वर्ष सभी निवासी वार्ड नं 11 काली मंदिर बिजुरी में थाना बिजुरी के फड व पास कूल 1125 रुपये नगदी ताश के 52 पत्ते धारा 13 जुआ एक्ट के तहत जप्त किया जाकर अनुसंधान मे लिया गया।

स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में टीबी विभाग को दिया गया दस हजार पीस मास्क

कोतमा। सरताज क्लॉथ सेंटर के ऑनर इस्लामगंज वार्ड क्रमांक आठ के मूल निवासी व समाजसेवी मो. सरताज अंसारी द्वारा बुधवार को टीबी मुक्त भारत के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में टीबी विभाग को दस हजार पीस मास्क दिया गया। डीएमसी कोतमा में टीबी जाँच के लिए आये सभी मरीजो को आवश्यकतानुसार मास्क का वितरण किया जाए। जिससे टीबी संक्रमण को एक दूसरे में फैलने से पहले रोका जा सके। टीबी की दवा ले रहे मरीजो को दवा के साथ एक अच्छा पोषण आहार भी जरूरी है। लेकिन मास्क भी दूसरे के बचाओ के लिए जरूरी हैं। जिससे प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त भारत" के सपने को पूर्ण किया जा सके। इस नेक कार्य की प्रशंसा करते हुए जिला टीबी ऑफिसर डॉ एस सी रॉय ने कहा कि समाज के लोगो को भी इसी तरह अपना सहयोग प्रदान करना चाहिए। इस दौरान, कोतमा सीबीएमओ डॉ के एल दीवान, टीबी लैब टेक्नीशियन मो. हनीफ खान, ज्योति गुप्ता, , सोहराब अंसारी, आदि लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया गया।

प्रशिक्षित पंप ऑपरेटरों से नहीं आएगी जल आपूर्ति में बाधा

हर घर नल से जल का लक्ष्य 15 दिसंबर तक करें पूराः प्रमुख सचिव

निर्देशों के पालन में कोई कोताही न बरते जिलों का प्रशासनः आयुक्त

उमरिया। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जल जीवन मिशन के तहत प्रदेश के प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लक्ष्य को लेकर शासन-प्रशासन पूरी तत्परता से जुटा हुआ है। इसी कड़ी में प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग पी. नरहरि ने मंगलवार को आयुक्त कार्यालय शहडोल के सभागार में संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में शहडोल संभाग के तीनों जिलों शहडोल, उमरिया और अनूपपुर के कलेक्टरों सहित सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में प्रमुख सचिव नरहरि ने स्पष्ट निर्देश दिए कि हर घर नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य आगामी 15 दिसंबर 2025 तक शत-प्रतिशत पूरा किया जाए। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जिलों में साप्ताहिक कार्ययोजना बनाकर चरणबद्ध रूप से कार्य किया जाए, ताकि किसी भी स्तर पर देरी या लापरवाही न हो। उन्होंने कहा कि जिन नल-जल योजनाओं का निर्माण पूरा हो चुका है और जिनका तीन माह का ट्रायल एंड रन सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है, उन्हें उत्सवपूर्वक जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में ग्राम सभा के माध्यम से पंचायतों को हस्तांतरित (हैंड ओवर) किया जाए। यह न केवल योजना की पारदर्शिता को दर्शाएगा, बल्कि ग्रामीण जनता में स्वामित्व की भावना भी जागृत करेगा। प्रमुख सचिव ने कहा कि जिन योजनाओं में गुणवत्ता संबंधी कमियां पाई जाती हैं, उन्हें संबंधित ठेकेदारों से तुरंत ठीक कराया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई ठेकेदार समय-सीमा में काम पूरा नहीं करता या गुणवत्ता से समझौता करता है, तो उसका कार्य निरस्त कर उसे ब्लैकलिस्ट किया जाए।

जल आपूर्ति में नहीं आएगी बाधा

प्रमुख सचिव ने कहा कि कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत नियमित रूप से एकल और सामूहिक नल-जल योजनाओं की मॉनिटरिंग करें। उन्हें साप्ताहिक और पाक्षिक लक्ष्य तय कर टीमों से काम की प्रगति रिपोर्ट लेनी चाहिए। जहां योजनाओं की प्रगति धीमी है, वहां ठेकेदारों की बैठक लेकर समय पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि योजनाओं के संचालन हेतु प्रत्येक योजना में दो-दो पंप ऑपरेटरों का चयन और प्रशिक्षण कराया जाए। उन्होंने अनूपपुर जिले में पंप ऑपरेटरों के प्रशिक्षण कार्य की सराहना की और कहा कि प्रशिक्षित पंप ऑपरेटर जल आपूर्ति और रखरखाव की रीढ़ हैं। यदि वे अपने कार्य को जिम्मेदारीपूर्वक करें तो ग्रामीण जनता को जल आपूर्ति में किसी भी प्रकार की बाधा नहीं आएगी।

सुनिश्चित की जाये जल आपूर्ति

श्री नरहरि ने कहा कि पंप ऑपरेटरों को ग्राम पंचायतों के माध्यम से निश्चित मानदेय प्रदान किया जाए ताकि वे नियमित रूप से कार्य कर सकें। उन्होंने यह भी जोड़ा कि जहां नल-जल योजनाएं पूरी हो चुकी हैं, वहां रेस्टोरेशन (मरम्मत एवं सुधार) का कार्य भी कराया जाए ताकि ग्रामीणों को लंबे समय तक स्वच्छ जल की सुविधा मिल सके। बैठक के दौरान उन्होंने विशेष रूप से जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि जिन गांवों या टोलों में नल-जल योजनाएं अब तक नहीं पहुंची हैं, वहां प्रधानमंत्री जनमन, धरती आबा कार्यक्रम, डीएमएफ एवं सीएसआर फंड के माध्यम से योजनाएं स्वीकृत कर प्रत्येक घर तक जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

किया जाए महोत्सव का आयोजन

उन्होंने सीईओ जिला पंचायतों को निर्देश दिए कि ग्राम पंचायत स्तर पर जल कर वसूली की व्यवस्था बनाई जाए ताकि योजनाओं के रखरखाव और संचालन के लिए आवश्यक आर्थिक संसाधन उपलब्ध रह सकें। इंजीनियर इन चीफ, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने बैठक में बताया कि जिन ग्रामों में एकल नल-जल योजनाओं के माध्यम से घर-घर जल आपूर्ति की जा रही है, उन योजनाओं का ग्राम सभा के माध्यम से प्रमाणीकरण (वेरिफिकेशन) किया जाना आवश्यक है। उपयंत्री गांवों में जाकर योजनाओं की स्थिति से ग्राम सभा को अवगत कराएं और योजनाओं के हस्तांतरण के अवसर पर ग्राम सभा महोत्सव का आयोजन किया जाए।

ग्राम सभाओं में होगा नल-जल योजनाओं का हस्तांतरण महोत्सव

कड़ाई से हो पालन

बैठक में शहडोल संभाग के तीनों जिलों की एकल एवं सामूहिक नल-जल योजनाओं की प्रगति, गुणवत्ता, वित्तीय स्थिति एवं भौतिक कार्यों की समीक्षा की गई। अंत में आयुक्त शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने प्रमुख सचिव पी. नरहरि का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि समीक्षा बैठक में दिए गए सभी निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाएगा। समय-सीमा में लक्ष्य प्राप्ति के लिए जिला प्रशासन पूरी जिम्मेदारी से कार्य करेगा ताकि शहडोल संभाग के प्रत्येक घर तक स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

इनकी रही मौजूदगी

बैठक में उपस्थित आयुक्त शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता, कलेक्टर शहडोल डॉ. केदार सिंह, कलेक्टर उमरिया धरणेन्द्र कुमार जैन, कलेक्टर अनूपपुर हर्षल पंचोली, सीईओ जिला पंचायत शहडोल शिवम प्रजापति, उमरिया अभय सिंह, अनूपपुर श्रीमती अर्चना कुमारी, इंजीनियर इन चीफ लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, परियोजना निदेशक जल जीवन मिशन, मुख्य अभियंता, अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री, अनुविभागीय अधिकारी तथा उपयंत्री उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग दिव्या गुप्ता ने बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर 13 अक्टूबर 2025 से 17 अक्टूबर तक पांच दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। द्वितीय दिवस की थीम- एजुकेशन इज एंपावरमेंट विषय पर पी एम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लोढ़ा में कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस अवसर पर गर्ल चाइल्ड पार्लियामेंट का आयोजन स्कूल की बालिकाओं द्वारा किया गया। स्कूल की बालिकाओं द्वारा फ्यूचर ऑफ गर्ल्स इन इंडिया विषय पर वाद विवाद, क्विज एवं निबंध प्रतियोगिता में भाग लिया गया। मो आसिफ परिवीक्षा अधिकारी द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के बारें में विस्तृत जानकारी दी गई । वन स्टॉप सेंटर की केस वर्कर दिव्या तिवारी द्वारा बालिकाओं व महिलाओं में नेतृत्व विकास विषय पर चर्चा करते हुए महिलाओं को नेतृत्व क्षमता,निर्णय लेने की योग्यता तथा कार्यबल में उच्चतर अवसरों के लिए तैयार होने की प्रेरणा दी। उन्होंने प्रतिभागियों को वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं जैसे चिकित्सा परामर्श,पुलिस सहायता,आश्रय, विधिक सहायता, तथा महिला केद्रित योजनाओ के बारे मे बताया। कार्यक्रम में दिव्या गुप्ता कार्यक्रम अधिकारी सहित विद्यालय के प्राचार्य एवं समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे।

शासकीय हाई स्कूल कंचनपुर में प्रतिभाओं को मिला सम्मान

रिलायंस फाउंडेशन ने बढ़ाया छात्रों का मनोबल, मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

शहडोल। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के स्तर और छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के उद्देश्य से रिलायंस फाउंडेशन द्वारा शासकीय हाई स्कूल कंचनपुर में एक प्रेरक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उन विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया, जिन्होंने पिछले सत्र में अच्छे अंकों के साथ अपनी कक्षाएं उत्तीर्ण कीं। फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने बच्चों को बैग, सोलर लाइट और उपयोगी अध्ययन सामग्री प्रदान की। समारोह में विद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय प्राचार्य ने स्वागत भाषण के साथ की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल बच्चों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं, बल्कि प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में उनका आत्मविश्वास भी मजबूत करते हैं। रिलायंस फाउंडेशन के अधिकारियों ने संबोधन में बच्चों को लक्ष्य निर्धारण, अनुशासन और नियमित अध्ययन के लिए प्रोत्साहित किया।पुरस्कार पाने वाले विद्यार्थियों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह सम्मान उनके लिए नए उत्साह और ऊर्जा का स्रोत है। कई छात्र-छात्राओं ने भावी लक्ष्यों के बारे में बताते हुए यह भरोसा जताया कि आगे भी वे इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। शिक्षकों ने फाउंडेशन द्वारा दिए गए सहयोग की सराहना की और इसे बच्चों के भविष्य के लिए सकारात्मक कदम बताया।कार्यक्रम के अंत में विद्यालय स्टाफ ने रिलायंस फाउंडेशन का आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इस तरह की पहल जारी रहेगी। समारोह ने न केवल मेधावी विद्यार्थियों को सम्मान दिया बल्कि अन्य छात्रों को भी उत्कृष्टता की राह पर अग्रसर होने की प्रेरणा दी।

कोयला मजदूर सभा ने प्रबंधन के खिलाफ खोला मोर्चा

महामंत्री नाथूलाल पाण्डेय बोलेः अब संघर्ष ही विकल्प

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के कोयला क्षेत्रों में इन दिनों माहौल गर्म है। वर्षों से लंबित मांगों, असमान नीतियों और प्रबंधन की बेरुखी के खिलाफ अब कोयला मजदूरों ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। कोयला मजदूर सभा (हिन्दी मजदूर संघ) ने संगठन की ताकत दिखाते हुए म्ब्स प्रबंधन के खिलाफ बड़ा आंदोलन शुरू करने की घोषणा की है। सभा के महामंत्री नाथूलाल पाण्डेय ने मंगलवार को जारी अपने बयान में कहा कि "प्रबंधन की निष्क्रियता, अन्यायपूर्ण रवैया और मजदूरों के अधिकारों की लगातार अनदेखी अब और नहीं चलेगी जब वार्ता से न्याय नहीं मिला, तो अब आंदोलन ही रास्ता बचा है। पाण्डेय ने इस मौके पर 59 सूत्रीय मांग पत्र जारी किया, जिसमें श्रमिकों के हितों, कल्याण, सुरक्षा और सेवा शर्तों से जुड़ी तमाम प्रमुख बातें शामिल हैं। उन्होंने साफ कहा कि अगर मांगें पूरी नहीं की गईं, तो मजदूर अब उत्पादन रोकने से भी पीछे नहीं हटेंगे "हमारे धैर्य की परीक्षा बहुत हो चुकी अब कोयला मजदूर सिर्फ तनख्वाह के लिए नहीं, अपने सम्मान और अधिकारों के लिए लड़ेंगे। उन्होंने तीखे लहजे में कहा। सभा ने आंदोलन की रूपरेखा भी घोषित कर दी है 17 अक्टूबर को सभी खदानों में धरना और प्रदर्शन किया जाएगा। 30 अक्टूबर को क्षेत्रीय एवं कंपनी मुख्यालयों का घेराव करते हुए विशाल जुलूस निकाला जाएगा, और 13 नवंबर को चक्का जाम के साथ कोयला डिस्पैच पूरी तरह बंद किया जाएगा पाण्डेय ने चेतावनी दी है कि यदि इसके बाद भी प्रबंधन नहीं जागा, तो पूर्ण हड़ताल की नोटिस दी जाएगी। महामंत्री पाण्डेय ने कहा कि यह संघर्ष किसी व्यक्तिगत स्वार्थ का नहीं बल्कि उन हजारों कोयला मजदूरों की आवाज है जिन्हें सालों से उनके हक से वंचित रखा गया है। उन्होंने बताया कि कई प्रमुख मांगें आज भी कागजों में दबकर रह गई हैं। उन्होंने कहा कि कोयला उद्योग में सेवानिवृत्ति आयु 60 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष की जानी चाहिए ताकि अनुभवी श्रमिकों को बेहतर

सुरक्षा और स्थायित्व मिल सके। साथ ही 1 जनवरी 2017 से 28 मार्च 2018 के बीच सेवानिवृत्त हुए श्रमिकों को 20 लाख रुपये तक की बढ़ी हुई ग्रेच्युटी का भुगतान किया जाना चाहिए। उन्होंने आश्रित रोजगार नीति को "असंवेदनशील" बताते हुए कहा कि एनसीडब्ल्यूए के प्रावधानों को उनकी मूल भावना के अनुसार लागू किया जाए। "जब एक परिवार का कमाने वाला चला जाता है, तो उसका आश्रित भूख और बेबसी में क्यों जिए। विवाहित पुत्रियों को भी नई परिभाषा में रोजगार का अधिकार मिलना चाहिए उन्होंने जोर देकर कहा। पाण्डेय ने ठेका श्रमिकों की दयनीय स्थिति का भी मुद्दा उठाया उन्होंने कहा कि हजारों ठेका मजदूर आज भी कंपनी की बायोमेट्रिक प्रणाली से बाहर हैं, जिससे उनकी उपस्थिति और वेतन में गड़बड़ी होती है "ठेका श्रमिकों को एचपीसी दर से वेतन दिया जाए, उन्हें सीएमपीएफ के दायरे में लाया जाए और सभी को सामाजिक सुरक्षा का अधिकार मिले। उन्होंने कहा भू-विस्थापित परिवारों के दर्द को व्यक्त करते हुए पाण्डेय बोले, "जिन लोगों ने अपनी जमीनें कंपनी को दीं, उन्हें न तो सम्मान मिला, न रोजगार। उनकी पीढ़ियां आज भी भटक रही हैं उन्होंने मांग की कि भू-विस्थापितों को योग्यतानुसार नौकरी दी जाए या उन्हें 1 से 1.5 करोड़ रुपये तक मुआवजा चुनने का अधिकार दिया जाए। खदानों में सुरक्षा और स्वास्थ्य की स्थिति पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि "हर दिन खतरे के बीच काम करने वाले मजदूरों को सुरक्षा के नाम पर सिर्फ आश्वासन मिलता है। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि यदि प्रबंधन ने जल्द कोई ठोस पहल नहीं की, तो आने वाले दिनों में यह संघर्ष कोयला क्षेत्र के इतिहास में सबसे बड़ा मजदूर आंदोलन साबित हो सकता है आंदोलन की चेतावनी मात्र से इस ई सीएल प्रबंधन घबराया और डायरेक्ट पर्सनल एसईसीएल बिलासपुर बिरंचि दास ने नाथू लाल पांडे व उनकी टीम को बुलाकर सामूहिक वार्ता किया और एसईसीएल स्तर के सभी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया वहीं साथ ही कोल इंडिया अस्तर का जो मांग है उसे कोल इंडिया में भेजने की बात कही।

तीन दिवसीय युवा उत्सव का शुभारंभ

उमरिया। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय रणविजय प्रताप सिंह महाविद्यालय उमरिया में युवा उत्सव 2025-26 का अंतर कक्षा महाविद्यालय स्तर पर तीन दिवसीय युवा उत्सव का प्रारंभ डॉक्टर विमला मरावी प्राचार्य के मार्गदर्शन एवं युवा उत्सव प्रभारी ऋषि राज पुरवार के निर्देशन में प्रारंभ हो गया है। महाविद्यालय प्राचार्य द्वारा विद्यार्थियों को युवा उत्सव के महत्व को समझाया गया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के अंदर छुपी हुई प्रतिभा को निखारने का सबसे अच्छा माध्यम युवा उत्सव है जिसमें वह सहभागिता कर अपने अंदर छुपी हुई प्रतिभाओं को आगे ले जा सकते हैं।वरिष्ठ प्रोफेसर पी डी रावत ने भी युवा उत्सव के महत्व को छात्र-छात्राओं को अवगत कराया तत्पश्चात प्रथम दिन संगीत एवं सांस्कृतिक पक्ष की विधाओं की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें एकल गायन शास्त्रीय में तीन प्रतिभागियों ने एकल सुगम गायन में पांच प्रतिभागियों ने समूह गायन में तीन समूह ने प्रतिभागिता की एवं सांस्कृतिक पक्ष की विधाओं में एकल नृत्य में पांच प्रतिभागियों एवं समूह नृत्य में पांच समूहों ने प्रतिभागिता की कार्यक्रम का संचालन युवा उत्सव प्रभारी ऋषि राज पुरवार के द्वारा किया गया । सांगीतिक पक्ष की विधाओं के संयोजक डॉ पी डी रावत के संयोजन में सांस्कृतिक पक्ष की विधाओं के संयोजक डॉ प्रज्वला सिंह बघेल के संयोजन में संपन्न हुई कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार से डॉ अरविंद शाह बरकड़े डॉ रमेश प्रसाद कोल डॉ संध्या कुशवाहा जितेंद्र कुमार डॉ प्रमोद तिवारी राजेंद्र प्रसाद पटेल डॉ कीर्ति तिवारी डॉ सोना पाठक डॉ मीना सिंह गायत्री सिंह डॉ प्रियंका दाहिया डॉ श्रद्धा मित्तल डॉ रश्मि रानी तिवारी मणि कुमार द्विवेदी भीकम सिंह धुर्वे रामदीन बैगा सोनू तोमर मुजीबुल्लाह शेख मोहम्मद शकील मंसूरी एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

मुख्यमंत्री के आदेशों की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे मीट दुकानदार

कोतमा। नगर के वार्ड क्रमांक सात में रेलवे लाइन के किनारे मुख्यमंत्री के आदेशों की खुलेआम धज्जियां उड़ाते हुए खुले में मांस की बिक्री किये जाने के संबंध में हरिभूमि प्रमुखता से समाचार प्रकाशित कर रहा है, जिसमें रेलवे की भूमि पर खुले मे मांस की दुकान लगाकर खुलेआम मीट दुकान संचालकों के द्वारा संचालित किया जा रहा है। जिसे रेल प्रशासन गंभीरता से नही ले रहा है। पूर्व मे रेल प्रबंधन के द्वारा दिखावे के लिए कार्यवाही करते हुए रेलवे लाइन किनारे वर्षों से जमे मीट बाजार की दुकानों को रेलवे प्रशासन की टीम के द्वारा हटाने की कार्यवाही की गई थी और दो तीन दिन बाद फिर से दुकानदारों के द्वारा दुकान संचालित कर दिया गया। जिससे नागरिकों मे रेल प्रशासन के खिलाफ तरह तरह की चर्चा नगर मे की जा रही है। बताया जाता है कि रेलवे लाइन के बगल से लगभग 10 दुकानों का संचालन अस्थाई कब्जा कर लंबे समय से किया जा रहा था जिसकी दुर्गंध एवं बदबू से परेशान नागरिकों द्वारा लगातार रेलवे प्रबंधन एवं नगर पालिका से दुकान हटाने की मांग की जा रही थी। नवरात्रि पर्व पर नगर पालिका के द्वारा खुलेआम संचालित मीट दुकानों को हरे परदे से ढकवा दिया गया था लेकिन अब दुकानदारों ने खुले में मांस का विक्रय शुरू कर दिया गया है। विदित रहे कि रेलवे लाइन किनारे वर्षो से एक दर्जन से ज्यादा मीट की दुकानें सजाई जाती है। जिससे आस पास रहने वाली घरों की महिलाएं एवं राहगीर दुर्गंध एवं गंदगी से परेशान रहते हैं। जहां पर बीच-बीच में रेलवे प्रबंधन दुकान हटाने की कार्यवाही करता है लेकिन कुछ दिनों बाद पुनः दुकान यथावत सज जाती हैं। मीट बाजार के सामने मुख्य मार्ग भी है जिससे स्कूली छात्राएं, राहगीरों के साथ महिलाओं का आवागमन पूरे दिन बना रहता है। सुबह मंदिर जाने वाली महिलाओं को रास्ते में पड़े मीट के टुकड़ों एवं दुर्गंध से शर्मसार होना पड़ता है। मीट दुकानें हटाए जाने पर नागरिकों ने राहत महसूस किया है।

पैदल गश्त कर थाना प्रभारी ने सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

कोतमा। दीपावली पर पुलिस प्रशासन के द्वारा सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करते हुए प्रतिदिन कस्बा सहित सार्वजनिक स्थानों पर पैदल ग्रस्त कर संदिग्धों की छानबीन तेज कर दी है। थाना प्रभारी रत्नाबर शुक्ला के द्वारा त्यौहार को लेकर पुलिस टीम के साथ लगातार स्टेशन चौक, बस स्टैंड, गांधी चौक, आजाद चौक, महावीर मार्ग, पुराना अस्पताल रोड, गुरुद्वारा तिराहा, पंचायती मंदिर रोड सहित अन्य मार्गों पर पैदल गश्त कर लोगों से चर्चा करते हुए सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सराफा बाजार, बर्तन, गाड़ी शो रूम सहित अन्य दुकानों के आसपास पुलिस की पेट्रोलिंग तेज की गई साथ ही व्यापारियों से सुरक्षा एवं सीसी टीवी कैमरा दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए। थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ल ने बताया कि पैदल गस्त का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को सुरक्षित माहौल प्रदान करना और किसी भी अप्रिय घटनाओं को रोकना है। त्यौहार में पुलिस की उपस्थिति से आमजन अपने आप को सुरक्षित महसूस करेंगे और बाजार में असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगेगा। दीवाली पर ज्वेलर्स एवं व्यापारियों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा जिससे लोग निश्चिंत होकर बाजार कर सके।

जुआ पर दबिश देकर 5 जुआरी गिरफ्तार

राजनगर। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एस.डी.ओ.पी. कोतमा के मार्गदर्शन में थाना रामनगर पुलिस द्वारा जुआरियों के विरुद्ध की गई कार्यवाही में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। 14.10.2025 को थाना प्रभारी रामनगर द्वारा देहात भ्रमण के दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि मेन रोड के किनारे बस स्टैंड सेमरा में कुछ व्यक्ति ताश के पत्तों पर रुपये पैसों की हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर तत्काल हमराह स्टाफ के साथ मुखबिर के बताए स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी कर रेड की गई, जहां 05 व्यक्तियों को जुआ खेलते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। सोहन पुरी पिता राममितन पुरी, उम्र 27 वर्ष, निवासी ग्राम हर्री, घनश्याम उर्फ लाला जोगी पिता बालक नाथ जोगी, उम्र 30 वर्ष, निवासी फतकोना, गुलाबदास चौधरी पिता बिहारीलाल चौधरी, उम्र 19 वर्ष, निवासी सेमरा, रामनरेश द्विवेदी उर्फ गोतू पिता शिवप्रसाद द्विवेदी, निवासी सेमरा, गौरव उपाध्याय पिता बिहारीलाल उपाध्याय, उम्र 28 वर्ष, निवासी सेमरा के कब्जे से 2250 नगद राशि एवं ताश के पत्ते मौके पर मौजूद गवाहों के समक्ष जप्त कर कब्जे पुलिस लिया गया।

खबर संक्षेप

मोटर सायकल चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। जिले के अमलाई थाना क्षेत्रांतर्गत मोटरसायकल चोरी के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर दो चोरी की मोटर सायकलें बरामद की हैं।फरियादी द्वारा थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 08 अक्टूबर की रात्रि लगभग 11:30 बजे उनके पिता की लाल रंग की बजाज विक्रांत मोटरसायकल उनके घर की बाउंड्री के भीतर से किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई है। रिपोर्ट पर पुलिस थाना अमलाई द्वारा मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान पुलिस टीम द्वारा पतासाजी की गई। मुखबिर सूचना एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदेह के आधार पर दो आरोपियों उदय कोल पिता प्रकाश कोल उम्र 24 वर्ष, शिवा केवट पिता शिव प्रसाद केवट उम्र 24 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 28 सीएमपीडीआई चीपहाउस थाना अमलाई को झारसुकड़ा उड़ीसा से 15 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ पर दोनों आरोपियों द्वारा मोटरसायकल चोरी करना स्वीकार किया गया। आरोपियों के कब्जे से दो मोटरसायकलें जप्त की गई हैं। उक्त दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है।

पुलिस ने स्टेशनों में संदिग्ध व्यक्तियों से की गई पूछताछ

कटनी। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने शहर में आपराधिक घटनाएं, चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए और अधिक चौकन्ना रहने के निर्देश पुलिस अधिकारियों को दिए हैं। कोतवाली थाना प्रभारी राखी पांडे ने पुलिस टीम के साथ कटनी एवं मुड़वारा रेलवे स्टेशन पर आने जाने वालों से पूछताछ करते हुए दस्तावेजों के आधार पर उन्हें वेरीफाई किया। कोतवाली प्रभारी ने रेलवे स्टेशन पर आने जाने वाले संदिग्ध लोगों से पूछताछ करने के साथ ही आसपास खड़े आवारा तत्वों को फटकार लगाती नजर आई। जरा सा भी आचरण संदिग्ध प्रतीत होने पर लेडी कोतवाल तपाक से पूछती दिख रही थी, क्यों भाई यहां क्यों खड़े हो, इधर आओ, कौन हो, कहां से आए हो, आधार कार्ड या अपना कोई अन्य पहचान पत्र दिखाओ, शहर आने का तुम्हारा मकसद क्या है यह बताओ। पुलिस की इस तरह की कार्रवाई आपराधिक तत्वों के मन में भय अवश्य पैदा करेगी।

समग्र ई-केवायसी का शत प्रतिशत कार्य पूर्ण कराने अधिकारी नियुक्त

कटनी। निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने प्रशासनिक कार्य व्यवस्था की दृष्टि से तत्काल प्रभाव से एक आदेश जारी करते हुए समग्र सामाजिक सुरक्षा मिशन अंतर्गत समग्र ई-केवायसी का शत प्रतिशत कार्य पूर्ण कराने हेतु शैलेष गुप्ता उपायुक्त को नोडल अधिकारी एवं जागेश्वर प्रसाद पाठक, राजस्व अधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

सफाई के साथ कीटनाशक दवा का किया गया छिड़काव

कटनी। पर्वो एवं आगामी त्योहारों के चलते नगर में विशेष सफाई अभियान चलाया जाकर मुख्य मार्गो, सार्वजनिक स्थलों, बाजार क्षेत्रों सहित कार्तिक माह के दौरान दीपदान हेतु घाटों की सफाई पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

एनडीआरएफ ने थामा पीछे हटने का रास्ता, अब नेमी टीम पर उम्मीदें टिकीं

अमलाई ओसीएम हादसा : पाँचवें दिन भी नहीं मिला डंपर चालक का शव

धनपुरी कोयलांचल के अमलाई ओपन कास्ट माइंस (ओसीएम) में शनिवार शाम हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। मिट्टी (ओवी) डंपिंग कार्य के दौरान आर.के. ट्रांसपोर्ट कंपनी (आरकेटीसी) के डंपर और डोजर मशीनें अचानक ढलान टूटने से पानी से भरे गहरे गड्ढे में जा गिरीं।

कि नेमी

धनपुरी।

हादसे के बाद से लापता डंपर चालक अनिल कुशवाहा (40 वर्ष, निवासी मऊगंज जिला रीवा) का अब तक कोई सुराग नहीं लग सका है। वहीं, डोजर ऑपरेटर ने किसी तरह अपनी जान बचा ली। हादसे के पाँचवें दिन बुधवार को भी रेस्क्यू ऑपरेशन में कोई सफलता नहीं मिली। जानकारी के अनुसार एनडीआरएफ की टीम ने भी रेस्क्यू कार्य से हाथ खड़े कर दिए और बुधवार को साइट छोड़कर लौट गई। दोपहर 1 बजे तक घटनास्थल पर कोई रेस्क्यू दल मौजूद नहीं था, केवल सुरक्षा कर्मी टेंट के नीचे तैनात दिखे। मृतक चालक के परिजन घटनास्थल पर मौजूद रहकर स्थिति का जायजा लेते नजर आए। यूनियन नेता पहुंचे, परिवार को दिया भरोसाहादसे की जानकारी मिलते ही एटक, एचएमएस और सीटू यूनियनों के पदाधिकारी घटनास्थल पहुंचे और मृतक के परिवार से मुलाकात की। परिवार ने बताया कि सबसे पहले शव बरामद हो, इसके बाद मृतक की पत्नी को नौकरी और उचित मुआवज़ा दिया जाए। परिवार को बताया गया कि फिलहाल 14 लाख रुपए क्षतिपूर्ति (कम्पनसेशन) देने की बात चल रही है, जबकि बीमा राशि अलग से मिलेगी। यूनियन नेताओं ने कहा कि "हम आपके साथ हैं, जब भी जरूरत पड़े बुला लीजिए।"प्रशासन ने कहा – नेमी टीम से होगी मददघटनास्थल पर बुधवार को तहसीलदार बुढार, एरिया सुरक्षा अधिकारी और धनपुरी थाना प्रभारी पहुंचे। उन्होंने परिवार को बताया (नेशनल माइन रेस्क्यू टीम) को बुलाने के लिए कलेक्टर से संपर्क किया गया है। यदि अनुमति मिलती है तो जल्द ही नेमी की टीम मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू कार्य शुरू करेगी।जीएम लगातार मॉनिटरिंग मेंसोहागपुर एरिया के महाप्रबंधक जेना लगातार घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति की जानकारी ले रहे हैं और मृतक के परिवार से संपर्क बनाए हुए हैं। वहीं, खदान में भरे पानी को निकालने के लिए दो बड़े मोटर पंप (15,000 जीपीएफ क्षमता वाले) लगातार चलाए जा रहे हैं।एनडीआरएफ को नहीं मिली सफलतासूत्रों के अनुसार, एनडीआरएफ टीम ने मंगलवार शाम तक लोकेशन ट्रेस करने की कोशिश की, लेकिन गड्ढे में गहराई और कीचड़ अधिक होने से सफलता नहीं मिल सकी। टीम ने अंततः "सुरक्षित नहीं" बताकर अपना ऑपरेशन रोक दिया। अब स्थानीय प्रशासन नेमी टीम के आने का इंतजार कर रहा है, जिससे रेस्क्यू कार्य को फिर से गति दी जा सके।सुरक्षा व्यवस्था कड़ीहादसे के बाद खदान क्षेत्र में पुलिस बल की अतिरिक्त तैनाती की गई है। आसपास का क्षेत्र घेराबंदी कर बंद कर दिया गया है, ताकि आम लोगों को अंदर जाने से रोका जा सके और किसी तरह की अव्यवस्था न फैले।परिवार की उम्मीदें अब भी जिंदापाँच दिन बीत जाने के बावजूद मृतक चालक का शव नहीं मिलने से परिवारजन व्यथित हैं, लेकिन उम्मीद छोड़ी नहीं है। उनका कहना है कि जब तक अनिल का शव नहीं निकलता, वे घटनास्थल से नहीं जाएंगे। विशेषअब सभी की निगाहें नेमी टीम पर टिकी हैं, जो आने वाले 24 घंटे में स्थिति स्पष्ट कर सकती है। क्या नेमी टीम अनिल कुशवाहा का शव निकालने में सफल होगी, यह अब पूरे कोयलांचल का बड़ा सवाल बन गया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों द्वारा नगर बकहो में भव्य पथ संचलन का आयोजन

अमलाई।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नगर बकहो मंडल अंतर्गत स्वयंसेवकों द्वारा रविवार को भव्य पथ संचलन का आयोजन किया गया। संचलन में नगर के विभिन्न मार्गों से अनुशासन एवं एकता का परिचय देते हुए स्वयंसेवकों ने सहभागिता की।पथ संचलन के मुख्य अतिथि केशव सिंह तथा मुख्य वक्ता मनीष द्विवेदी, जिला कार्यवाह, जिला शहडोल रहे। उनके मार्गदर्शन में संचलन का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक स्वयंसेवक एवं हिंदू समाज के बंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संचलन के दौरान राष्ट्रभक्ति के गीतों से वातावरण गूंज उठा। आयोजन का उद्देश्य समाज में एकता, अनुशासन और संगठन के प्रति जागरूकता फैलाना रहा।

बुजुर्ग को 'नाना' कहकर ठगों ने उड़ाए दो लाख, दो हफ्तों में दूसरी वारदात से सनसनी

शहडोल। ब्यौहारी थाना क्षेत्र में ठगों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। मंगलवार को साखी निवासी 66 वर्षीय किसान दयाशंकर चतुर्वेदी बैंक से दो लाख रुपये निकालकर घर लौट रहे थे, तभी बाजार क्षेत्र में दो अज्ञात युवकों ने उन्हें 'नाना' कहकर रोका और बातचीत में उलझा लिया। ठगों ने भरोसा जीतने के बाद उन्हें अपनी लग्जरी कार में बैठाया और कहा कि वे घर छोड़ देंगे। कुछ दूरी पर चौक के पास उतारने के बाद जब बुजुर्ग ने जेब टटोली तो दो लाख रुपये गायब थे। शिकायत मिलने पर ब्यौहारी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि ठगों की तलाश के लिए विशेष टीम गठित की गई है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कुछ अहम सुराग मिले हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि महज 13 दिनों में ऐसी दूसरी ठगी की वारदात सामने आई है। इससे पहले भी एक बुजुर्ग महिला को 'मौसी' कहकर झांसे में लेकर उनके सोने-चांदी के जेवर और नकदी लूट ली गई थी। लगातार हो रही इन घटनाओं से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अजनबियों से सावधान रहें और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वाहन की सूचना तुरंत थाने में दें।

लीनेस क्लब बुढार का डंका बजा, एरिया कॉन्फ्रेंस में बरसी सम्मान की झड़ी

महिला नेतृत्व व समाजसेवा में बुढार क्लब अव्वल सर्वश्रेष्ठ क्लब

प्रेसिडेंट सहित 9 चेयर पर्सन को मिला जिला स्तर पर सम्मान

धनपुरी।

लीनेस क्लब बुढार ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट समाजसेवा, नेतृत्व क्षमता और एकजुटता का परचम लहराया। गौरेला (पेंड्रा) के कला निकेतन होटल में संपन्न एरिया कॉन्फ्रेंस एवं आधिकारिक यात्रा में क्लब को सर्वश्रेष्ठ क्लब, सर्वश्रेष्ठ सेवा गतिविधि, सर्वश्रेष्ठ स्थायी गतिविधि और सर्वश्रेष्ठ प्रेसिडेंट जैसे कई सम्मान प्राप्त हुए।इस अवसर पर मुख्य अतिथि एरिया अधिकारी लीनेस प्राची श्रीवास्तव, डिस्ट्रिक्ट ऑफिसर अनीता कपूर जी विशिष्ट अतिथि , एरिया सचिव सुषमा कुमार, कैबिनेट सचिव ममता रानी वासन और एरिया एडवाइजर शालू पाहवा विशेष रूप से उपस्थित रहीं। सभी अतिथियों का अध्यक्ष लीनेस मोनिका अग्रवाल एवं सदस्याओं द्वारा स्वागत-सम्मान किया गया।समाजसेवा और महिला सशक्तिकरण का संदेशअतिथियों ने लीनेस क्लब बुढार द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, कन्या विवाह सहयोग और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में किए जा रहे सतत प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि क्लब की प्रतिबद्धता समाज में बदलाव लाने की मिसाल है।अध्यक्ष श्रीमती मोनिका अग्रवाल ने क्लब की वर्षभर की उपलब्धियों का विस्तृत एवं प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण किया। उन्होंने बताया कि क्लब ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, कन्या सशक्तिकरण और सामाजिक कल्याण के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।सचिव अंजू अग्रवाल ने अपना वार्षिक प्रतिवेद बहुत ही अच्छे से प्रस्तुति दी और सभी का आभार प्रगट किया कोषाध्यक्ष श्यामा गुप्ता ने भी साल भर का आय व्यय प्रस्तुत किया सभी सदस्याओं ने अपने अनुभव साझा किए और आगामी योजनाओं पर भी उत्साहपूर्वक चर्चा की।सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और प्रेरक संवाद सत्रों ने उत्साह का माहौल बना दिया।इस वर्ष मोनिका अग्रवाल के अध्यक्ष कार्यकाल में लीनेस क्लब बुढार को सर्वश्रेष्ठ प्रेसिडेंट का अवॉर्ड सर्वश्रेष्ठ स्थाई गतिविधि का अवॉर्ड सर्वश्रेष्ठ सेवा गतिविधियों का अवॉर्ड सर्वश्रेष्ठ क्लब का अवॉर्ड तथा 9 चेयर पर्सन को मिला डिस्ट्रिक्ट अवॉर्डक्लब की 9 सदस्याओं को अलग-अलग क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए डिस्ट्रिक्ट चेयर पर्सन अवॉर्ड मिला —लीनेस प्रतिमा जैन (रक्तदान जागरूकता)लीनेस ज्योति खनूजा (महिला स्वावलंबन) लीनेस अंजू दुआ (गौ सेवा)लीनेस अर्चना ओझा (पर्यावरण संरक्षण)लीनेस बिंदा भगत (योग और ध्यान) लीनेस रजनी जैन (वृद्धजन सेवा)लीनेस मोनिका अग्रवाल (कन्या विवाह योगदान) लीनेस अंजू अग्रवाल (बाल दिवस) लीनेस श्यामा गुप्ता (जीव दया)इन सम्माननों ने क्लब के उत्कृष्ट कार्यों और महिला नेतृत्व की सशक्त पहचान को नई ऊँचाई दी।एकजुटता और सेवा की मिसालअंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। सभी सदस्याओं — मोनिका अग्रवाल, अंजू अग्रवाल, श्यामा गुप्ता, स्नेहलता गुप्ता, प्रतिमा जैन, सरिता अग्रवाल, अंजू मिश्रा, साधना अग्रवाल, नागमणि मानिकपुरी, अर्चना ओझा, रजनी जैन, ज्योति सिंह बघेल और बिंदा भगत — ने सेवा, सहयोग और समाज कल्याण के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहने का संकल्प लिया।लीनेस क्लब बुढार का यह आयोजन न केवल समाजसेवा का उत्सव बना, बल्कि यह साबित कर गया कि एकजुटता, समर्पण और नारी शक्ति से असाधारण परिवर्तन संभव है।

पार्षद ने वार्ड 19 में शौचालय निर्माण का भूमि पूजन किया

शहडोल।

जिला मुख्यालय की नगर पालिका परिषद के वार्ड क्रमांक 19 में स्वच्छता और जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए पार्षद सिल्लू रजक ने सरदार पटेल स्कूल प्रांगण में शौचालय निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। यह कार्य स्वीकृत प्राक्कलन राशि 5.21 लाख रुपये (जीएसटी अतिरिक्त)* में कराया जा रहा है। नगर पालिका अधिनियम 1961 के तहत सभी तकनीकी और प्रशासनिक औपचारिकताएँ पूरी होने के बाद निर्माण कार्य की शुरुआत की गई है।
भूमि पूजन कार्यक्रम में वार्डवासियों, गणमान्य नागरिकों और विद्यालय प्रबंधन की उपस्थिति रही। पार्षद सिल्लू रजक ने कहा कि यह शौचालय विद्यार्थियों और स्थानीय नागरिकों दोनों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने बताया कि यह पहल स्वच्छ भारत मिशन की भावना को साकार करने की दिशा में एक ठोस कदम है।
नगर पालिका प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्माण कार्य पूरा होने पर यह शौचालय सार्वजनिक संपत्ति के रूप में वार्ड 19 के नागरिकों को समर्पित किया जाएगा, जिससे क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था और भी सुदृढ़ होगी। भूमि पूजन जय श्री राम के उद्घोष के साथ संपन्न हुआ। पार्षद सिल्लू रजक ने इस अवसर पर नगर पालिका प्रशासन और संबंधित अधिकारियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया तथा वार्ड में विकास कार्यों को और गति देने का आश्वासन दिया।

विद्यालयों में हुआ दंत एवं स्किन शिविर का आयोजन

शहडोल।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के तहत निःशुल्क दंत एवं स्किन जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर 10 अक्टूबर को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोहागपुर और 14 अक्टूबर को शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित हुआ। शिविर में छात्रों के दांतों और त्वचा से संबंधित रोगों की जांच कर विशेषज्ञों द्वारा आवश्यक परामर्श एवं दवाइयां वितरित की गईं। दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. झलक गांधी और उनकी टीम में शामिल गीता पटेल, पंकज, रश्मि बहन, चांदनी बहन तथा वैष्णवी बहन ने विद्यार्थियों को मौखिक स्वच्छता

और त्वचा की देखभाल के उपायों की विस्तृत जानकारी दी। शासकीय कन्या विद्यालय सोहागपुर की प्राचार्य एनी एंथोनी और एमएलबी कन्या विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती साधना जैन ने ब्रह्माकुमारी संस्थान के चिकित्सकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे शिविर विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में उपयोगी सिद्ध होंगे। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों, स्टाफ और छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। आयोजन के माध्यम से सैकड़ों छात्राओं को निःशुल्क स्वास्थ्य लाभ मिला और उन्हें दांतों की नियमित सफाई एवं त्वचा की स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।

खाद्य विभाग की कार्रवाई से बाजारों में लौटी रही शुद्धता

उमरिया।

जिले में खाद्य विभाग की लगातार सक्रियता का असर अब साफ़ दिखाई देने लगा है। बाजारों से मिलावटी सामग्री धीरे-धीरे गायब हो रही है और नागरिक विभाग की कार्यशैली की सराहना कर रहे हैं। खाद्य विभाग की अधिकारी मंजू वर्मा और उनकी टीम द्वारा लगातार होटलों, मिठाई दुकानों और डेयरियों पर की जा रही नियमित छापेमारी व सैंपलिंग कार्रवाइयों ने सकारात्मक परिणाम दिए हैं। इन

कार्रवाइयों से न केवल मिलावटखोरी पर नियंत्रण हुआ है, बल्कि खाद्य वस्तुओं की शुद्धता और गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार देखा जा रहा है। विभाग की टीम दूषित या नकली उत्पाद पाए जाने पर तत्काल जुर्माना और लाइसेंस निरस्तीकरण जैसी कड़ी कार्यवाही कर रही है। जांच के दौरान संदिग्ध वस्तुओं के नमूने लेकर प्रयोगशाला परीक्षण के आधार पर कठोर कदम उठाए जा रहे हैं।
इन कार्रवाइयों से होटल,रेस्टोरेंट और डेयरी संचालकों में भय का माहौल बना है। वहीं,आम उपभोक्ताओं को अब बाजारों में शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री मिलने लगी है। विशेषज्ञों का मानना है कि मिलावट में कमी का प्रमुख कारण विभाग की लगातार छापेमारी और जनजागरूकता अभियान हैं।खाद्य विभाग की यह सक्रियता जिले में स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो रही है।

खबर संक्षेप

जहरीला कोदो-कुटकी का पेज पीने से पति-पत्नी एवं बालक बेहोश

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गुरुवार को ग्राम पंचायत कबीर मय खुरखुरी दादर, जनपद पंचायत करंजिया, जिला डिंडोरी निवासी एक दंपती और एक बालक को जहरीला पेज खाने से बेहोशी की हालत में भर्ती कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, धमनी तेकाम (45 वर्ष), उनकी पत्नी चंद्रावती तेकाम (40 वर्ष) तथा पड़ोसी बालक आयुष (4 वर्ष) ने बुधवार की सुबह घर में तैयार कोदो-कुटकी का पेज खाया था। सेवन के लगभग एक घंटे बाद तीनों को उल्टियां, जी मिचलाना और बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई देने लगे। स्थिति बिगड़ने पर परिजन उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरकंटक लेकर पहुंचे, जहां उपस्थित चिकित्सक डॉ. शशांक परस्ते एवं डॉ. सुनील सिंह ने तत्काल उपचार प्रारंभ किया। डॉ. परस्ते ने बताया कि तीनों ही मरीज अब खतरे से बाहर हैं, किंतु एहतियात के तौर पर उन्हें निगरानी में रखा गया है। आगे और बेहतर जांच एवं उपचार के लिए जिला चिकित्सालय अनूपपुर रेफर किया जाएगा, वहीं डॉ. सुनील सिंह ने बताया कि महिला को उल्टियां हो रही थीं, पेज शरीर के अंदर तक पहुंच गया था, फिर भी स्थिति सामान्य है। तीनों मरीजों को सतत देखरेख में रखा गया है। भर्ती मरीज धमनी तेकाम ने बताया कि उन्होंने सुबह स्वयं घर पर कोदो-कुटकी का पेज बनाया था। उसी को खाने के बाद यह स्थिति उत्पन्न हुई। उन्होंने कहा कि हमें यह नहीं पता था कि कोदो-कुटकी जहरीला हो गया है। ग्रामीण अंचलों में कोदो-कुटकी किसानों, मजदूरों और श्रमिक वर्ग के भोजन का प्रमुख हिस्सा माना जाता है। यह पोषक और पारंपरिक अनाज सामान्यतः सुरक्षित होता है, परंतु किसी कारणवश इस बार इसका जहरीला होना गंभीर चिंता का विषय है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह अनाज के अनुचित भंडारण या फफूंदजनित संक्रमण के कारण विषैला हो सकता है। फिलहाल, स्वास्थ्य केंद्र अमरकंटक में चिकित्सक दल तीनों मरीजों की गहन निगरानी में सतत उपचार किया जा रहा है।

अनूपपुर स्टेशन पर महिला ने बच्चे को दिया जन्म

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अनूपपुर रेलवे स्टेशन पर एक महिला ने बच्चे को जन्म दिया। आरपीएफ और जीआरपी पुलिस की टीम ने मौके पर ही महिला की डिलीवरी में मदद की, जिसके बाद उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। दरअसल, रेशमा बिजुरी (25) से अनूपपुर आ रही थीं। ट्रेन के अनूपपुर स्टेशन पहुंचते ही उन्हें प्रसव पीड़ा होने लगी। तुरंत आरपीएफ और जीआरपी के जवानों ने महिला को सहायता दी और स्टेशन पर ही सुरक्षित डिलीवरी सुनिश्चित की। डिलीवरी के बाद, 108 एंबुलेंस को बुलाया गया। एम्बुलेंस पायलट कैलाश गुप्ता और रेलवे विभाग के कर्मचारियों की मदद से रेशमा को नवजात शिशु के साथ अनूपपुर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला बिजुरी की निवासी बताई गई है।

ग्यारह अनुदेशकों को संविदा शाला शिक्षक वर्ग तीन में नियुक्त करने के निर्देश

अनूपपुर। उच्च न्यायालय जबलपुर में सागर जिले के दस एवं विदिशा के एक, कुल ग्यारह अनुदेशकों को वर्ग तीन शिक्षक संवर्ग में नियुक्ति मिलेगी। 1997 सर्व शिक्षा अभियान के तहत मप्र सरकार द्वारा सुलभ शिक्षा ग्रहण करने के उद्देश्य से प्रदेश के हर गांव में जहां सरकारी विद्यालय दूर थे या नहीं थे औपचारिकेत्तर शिक्षा उपलब्ध कराने के मिशन में शिक्षा केंद्र बनाए गए थे। इन केंद्रों में स्थानीय पात्र उम्मीदवारों को गुरुजी और अनुदेशक की नियुक्ति दी गई थी, कई वर्षों तक निरंतर कार्य करते रहने के बाद और पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद भी शासन के आदेश को दरकिनार कर इन्हें शिक्षा विभाग में सम्मानजनक पद नहीं दिया गया। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्मिता श्रीवास्तव के पक्ष में निर्णय आने के बाद इन शिक्षकों को शिक्षक बनाने का मार्ग बना, मप्र के सागर जिले के भारत सिंह ठाकुर, धर्मदास कुशवाहा, महेश प्रसाद तिवारी, कमल सिंह कुर्मी, जागेश्वर पांडे, अरविंद तिवारी, विनोद कुमार रावत, रामकिशोर पाराशर, महेश प्रसाद पटेरिया, एवं मथुरा प्रसाद, तथा विदिशा से सितम लाल सारूते, शहडोल से विष्णु बैगा, महेश तिवारी, शिवदयाल गुप्ता को अनूपपुर से यशोदा सिंह, हेमलता राठौर, भगवानिया बाई, धनेश्वर प्रसाद को रिट याचिका पर श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव के समान लाभ दिए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

त्यौहार के दिन लेते हैं मिठाईयों का सैंपल रिपोर्ट आते तक बिक जाती है मिठाइयां

दिवाली पर मीठा जहर!

यानि जांच ही 'मिलावटी', कब टूटेगी यह परंपरा

दीपावली में केवल 4 दिन, अब तक नहीं जागा खाद्य विभाग

मिलावटी खाद्य सामग्री को लेकर नजर रखने वाला कोई नहीं

जिले में दीपावली त्योहार पर लाखों करोड़ों की मिठाई बिक जाती है। कई दुकानदार नकली मावा व मिलावटी मिठाई बेचते हैं। पूर्व में कई बार ऐसे दुकानदारों पर कार्रवाई भी हुई है। दीपावली को अब 4 दिन ही शेष रह गए हैं। अनेक होटलों में मिठाई की तैयारी शुरू हो गई है। इधर खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारी फील्ड में नहीं उतरे हैं।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

दिवाली पर मिलावटी व स्तरहीन मिठाईयों की बिक्री न हो इसे लेकर अधिकारी न सैंपल ले रहे और न ही किसी तरह की चेतावनी होटल संचालकों को दे रहे हैं। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की जांच मिठाई बिक्री के बाद शुरू होती है। त्यौहार के दिन या उसके एक दिन पहले विभाग के निरीक्षक कुछ होटलों में पहुंचकर सैंपल लेते हैं। यह हर साल की परंपरा है जो वर्षों से निभाई जा रही है।

दीपावली के नजदीक आते ही बाजार में मिलावटी मिठाइयों और खाद्य पदार्थों की भरमार हो जाती है। खाद्य वस्तुओं की गुणवत्ता को दरकिनार कर दुकानदार मिलावटी, दूषित और अमानक मिठाइयों का भी विक्रय करते है। बावजूद इसके स्वास्थ्य विभाग हाथ पर हाथ धरे बैठा है और खाद्य सुरक्षा अमला भी बेसुध नजर आ रहा है। इसका फायदा मिष्ठान दुकानदार उठा रहे हैं और लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। दिवाली पर दूध, मावा-मिठाई समेत खाद्य सामग्री की जांच के लिए टीमें मैदान में उतरेंगी। इसे लेकर फूड कंट्रोलर दिनेश श्रीवास्तव ने कलेक्टरों को भी लेटर लिखा है। फूड कंट्रोलर ने कहा है कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 तथा नियम 2011 का कड़ाई से पालन कराया जाए। त्योहारी सीजन में मिलावट की रोकथाम के लिए खाद्य प्रतिष्ठानों का लगातार निरीक्षण हो। जिन प्रतिष्ठानों पर मिलावट या संदिग्ध सामग्री की आशंका हो, वहां से तत्काल नमूने लेकर नियम अनुसार कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही अवैध रूप से खाद्य पदार्थ निर्माण करने वाले प्रतिष्ठानों पर भी अभियान चलाकर कार्रवाई की जाए। गौरतलब है कि जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में दुकानदार नकली मावा व मिलावटी मिठाई बेचते हैं। पूर्व में कई बार ऐसे दुकानदारों पर कार्रवाई भी हुई है। फिलहाल दीपावली को अब कुछ दिन ही रह गये हैं, लेकिन अभी तक दुकानों और मिठाई कारखानों का निरीक्षण और सेम्पलिंग आदि सतर्कता बरतने के कोई भी प्रयास प्रशासन की ओर से दिखाई नहीं दे रहे हैं।

नगर में बेख़ौफ़ चल रहे दुकान

प्रशासन और विभाग की उदासीनता के बीच जिला मुख्यालय में ही मिष्ठान कारखाने चालू हैं। जहां बेख़ौफ़ तरीके से मिलावटी मावा से मिठाईयां बनाई जा रहीं हैं। इसके साथ ही यहाँ अंधेरे कमरों में दूषित वातावरण में गंदे पानी, बजबजाती गंदगी और अन्य स्वच्छता मानकों को हासिये पर रखकर त्योहारों की मिठास तैयार की जा रही है। दिवाली के दौरान जिन खाद्य पदार्थों का उपयोग अधिक होता है, उन्हीं में मिलावटी की गुंजाइश अधिक रहती है। इनमें दूध, मावा, मिठाई, तेल, मसाले, चॉकलेट, बिस्किट, नमकीन आदि की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देना जरूरी है।

अजीब परंपरा आज भी जारी

विभाग के लोग दुकान से सैंपल लेकर जांच के लिए लैब भेजते हैं। जब तक रिपोर्ट आती है तब तक मिठाईयां हजम हो जाती है। ऐसे में इस जांच को ही मिलावटी कहा जाए तो ज्यादा अच्छा रहेगा। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की यह अजीब परंपरा आज भी जारी है। बड़ा सवाल है कि जब लोग मिठाइयों को खरीदकर खा चुके रहेंगे, तब मिठाइयों की जांच रिपोर्ट आएगी। जबकि विभाग लोगों को सही व शुद्ध मिठाइयों को खरीदकर खाने की अपील करता है। जिले भर मे दीपोत्सव पर्व में लाखों की मिठाईयां बिकती है। इसके अलावा मिक्चर समेत अन्य प्रकार के खाद्य पदार्थों की भी बिक्री होती है। इस दौरान दूध की खपत भी बढ़ जाती है। सामान्य दिनों में तो मिठाई बनाने के लिए दूध की आपूर्ति हो जाती है, लेकिन त्यौहार में दूध के साथ ही दुकानों में मिठाई बनाने के लिए मिल्क पावडर का उपयोग किया जाता है। यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

अब तक नहीं निकली टीम न हो रही जांच

त्योहारों का सीजन शुरू हो चुका है। दीपावली में चार दिन बचे हैं। बाजार में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है। खाद्य पदार्थों की बिक्री भी बढ़ गई है, लेकिन खाद्य पदार्थों की जांच को लेकर खाद्य विभाग अब तक जागा नहीं है। दीपावली पर सबसे ज्यादा दूध, बेसन, लड्डू व मावे से बनी चीजें बिकती हैं, लेकिन इनकी जांच को लेकर खाद्य विभाग अभी भी लापरवाह बना हुआ है। कहीं कोई कार्रवाई व जांच के लिए कोई कदम नहीं उठते दिख रहे हैं। लोगों को क्वालिटी के नाम पर कैसी मिठाई व मावा दिया जा रहा है इसको लेकर जांच होना चाहिए। इससे लोगों की सेहत से खिलवाड़ न हो, परंतु यह सब त्यौहार बीतने के बाद होगा।

गुणवत्ता की जांच गंभीर मुद्दा

त्योहारों में अक्सर होटलों में गंदगी देखने को मिलती है। इसको लेकर विभाग कार्रवाई भी करता है, लेकिन अब तक कार्रवाई के नाम पर कुछ नजर नहीं आ रहा है। शहर के कई होटलों में गंदगी के बीच सामग्री बनाना जारी है। खाद्य पदार्थों के मानकों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। कई स्थानों पर मानक स्तरों का पालन नहीं किया जा रहा है। इससे लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ हो रहा है। त्योहारी सीजन में मिठाई और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच अनूपपुर में गंभीर मुद्दा बन गई है। जब स्टाफ की कमी हो, तो यह प्रश्न उठता है कि मिठाई की जांच कैसे की जाएगी? वर्तमान में संबंधित विभाग मे नाम मात्र के कर्मचारी हैं। संकेत साफ है कि विभाग के भरोसे न रहें, देख परखकर ही मिठाई खरीदें व खाएं। सामान्यतः, जो सैंपल लिए जाते हैं, उनकी रिपोर्ट आने में काफी दिन लग जाते हैं, तब तक उपभोक्ता मिलावटी खाद्य पदार्थों का सेवन कर चुके होते हैं।

रोड मोबाइल मेडिकल वैन से निःशुल्क चिकित्सा सुविधा शुरू

अनूपपुर से झलवारा तक मिलेगी निःशुल्क सुविधा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मजदूर कांग्रेस के जोनल कार्यकारी अध्यक्ष एवं सीआईसी प्रभारी लक्ष्मण राव ने जानकारी देते हुए बताया कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मजदूर कांग्रेस के प्रयासों से उप मंडलीय रेलवे अस्पताल शहडोल के माध्यम से विभिन्न रेल सेक्शन के लिए रोड मोबाइल मेडिकल वैन का शुभारंभ 15 अक्टूबर से हो चुका है। उन्होंने बताया कि रोड मोबाइल मेडिकल वैन की उपलब्धता अलग-अलग तिथि में इन सेक्शन में रहेगी। सेक्शन 1 शहडोल, सिंहपुर, छाता, बुढार, अमलाई अनूपपुर बैक टू शहडोल सोमवार एवं शुक्रवार। सेक्शन 2 शहडोल, बंधवापारा, घुनघुटी, मुदरिया, बिरसिंहपुर, नौरोजाबाद, करकेली बैक टू शहडोल मंगलवार एवं गुरुवार। सेक्शन 3 शहडोल, उमरिया, लोरहा, चंदिया, रुपोंद झलवारा बैक टू शहडोल बुधवार एवं शनिवार।15 अक्टूबर से विधिवत इसका शुभारंभ कर दिया गया है। ज्ञातव्य हो की 28 एवं 29 अगस्त को बिलासपुर रेल मंडल प्रबंधक राजमल खोईवाल की अध्यक्षता में पीएनएम (परमानेंट नेगोशियेशन मशीनरी) बैठक संपन्न हुई थी। जिसमें रेलवे मजदूर कांग्रेस द्वारा रखी गई मांगों पर बिलासपुर रेलवे प्रबंधक ने रेलवे मजदूर कांग्रेस को आश्वस्त किया था की रेल प्रशासन सभी कर्मचारियों एवं उनके परिजनों की समस्याओं को लेकर संवेदनशील है। हम सभी कर्मचारियों को उनके कार्यस्थल में बेहत्तर सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु प्रतिबद्ध हैं। मजदूर कांग्रेस द्वारा रेल कर्मचारियों के कल्याण से संबन्धित उठाए गए सभी मुद्दो पर विधिसम्मत कार्रवाई पर ज़ोर देते हुए उन्होने आश्वस्त किया कि रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देशानुसार सभी मुद्दों पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

वोट चोर गद्दी छोड़ आंदोलन के बीच गुड्डू चौहान का तीखा हमला

नगर पालिका सीएमओ के आदेश से बीएलओ असमंजस में

प्रशासन और भाजपा मिलकर मतदाता सूची में कर रहे मनमानी की तैयारी- कांग्रेस जिलाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

नगर पालिका परिषद अनूपपुर में चल रहे फोटोयुक्त मतदाता सूची पुनरीक्षण 2025 के दौरान बीएलओ (मतदान केंद्र अधिकारी) असमंजस की स्थिति में हैं। इस पूरे मामले पर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए नगर पालिका सीएमओ पर "अनाधिकृत आदेश" जारी करने और निर्वाचन प्रक्रिया की पवित्रता से खिलवाड़ करने के आरोप लगाए हैं। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्याम कुमार "गुड्डू" चौहान ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि नगर पालिका प्रशासन की यह कार्यप्रणाली पूरी तरह अव्यवस्थित और मनमानी से भरी हुई है। उन्होंने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश अनुसार 1 जनवरी 2025 की स्थिति में मतदाता सूची का पुनरीक्षण 8 से 17 अक्टूबर तक किया जाना है, परंतु नगर पालिका प्रशासन ने बिना पूर्व सूचना और तैयारी के आदेश जारी किए। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि सीएमओ का आदेश 14 अक्टूबर की शाम 5:29 बजे व्हाट्सएप ग्रुप में पोस्ट किया गया, जबकि कार्यक्रम 8 अक्टूबर से ही प्रारंभ हो चुका था। इतना ही नहीं प्रेषक के निरीक्षण कार्यक्रम के पश्चात 15 अक्टूबर को दोपहर 11:20 बजे संदेश प्रसारित किया गया कि सभी बीएलओ अपने मतदान केंद्रों पर उपस्थित हों। जिससे प्रेक्षक को भ्रमित किया जा सके। इससे स्पष्ट होता है कि पूरी प्रक्रिया अव्यवस्थित और औपचारिकता मात्र रह गई। गुड्डू चौहान ने कहा कि 15 अक्टूबर को

जिला मुख्यालय के नगर पालिका क्षेत्र अनूपपुर के मेरे स्वयं के निरीक्षण के दौरान कई बीएलओ अपने ड्यूटी मतदान केंद्र पर उपस्थित नहीं पाए गए। कुछ अध्यापन कार्य में लगे थे, कुछ प्रशिक्षण में व्यस्त, तो कुछ को आदेश की जानकारी तक नहीं थी। वहीं, एक महिला कर्मचारी जो मातृत्व अवकाश पर थी, उसे भी ड्यूटी सूची में शामिल कर दिया गया। नगर पालिका सीएमओ द्वारा बिना प्रशिक्षण दिए विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ को अन्य शासकीय कर्मचारियो को पहली बार बीएलओ बने नगर क्षेत्र के मतदाता सूची कार्य में लगाया जाना पूर्णतः अवैध है। यह प्रक्रिया मतदाता सूची में मनमानी और वोट चोरी की तैयारी का हिस्सा प्रतीत होती है। गुड्डू चौहान कहा कि कांग्रेस का "वोट चोर गद्दी छोड़" आंदोलन ऐसे ही जनविरोधी रवैये के खिलाफ है। प्रशासन और भाजपा शासन मिलकर लोकतंत्र की नींव को कमजोर कर रहे हैं। और मतदाता सूची की पवित्रता से खिलवाड़ कर रहे हैं, हम निर्वाचन आयोग से मांग करते हैं कि इस पूरे मामले की जांच कर सीएमओ की भूमिका स्पष्ट करें और इसका प्रचार प्रसार कर और अधिक समय प्रदान किया जाए जिससे यह प्रक्रिया औपचारिकता मात्र ना रह जाए। श्री चौहान ने कहा कि यदि स्थिति नहीं सुधरी तो कांग्रेस जनता के बीच उतरकर आंदोलन को और तेज करेगी।

एबीव्हीपी ने घोषित की इग्नटू अमरकंटक की नवीन कार्यकारिणी

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय अमरकंटक की नवीन कार्यकारिणी घोषित की गई, जिसमें सर्वप्रथम विद्या की देवी मां सरस्वती व युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा में मल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, कार्यक्रम में मुख्य रूप से महाकौशल प्रांत के प्रांत संगठन मंत्री मनोज यादव द्वारा छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी परिषद स्थापना कल से ही छात्रहित के साथ-साथ समाज के सभी क्षेत्रों में लगातार काम करते आया है साथ ही आज का छात्र आज का युवा है और युवाओं को सही दिशा व राष्ट्र हित की ओर अग्रसर व प्रेषित करने वाला एक मात्र छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद है। विद्यार्थी परिषद का मूल कार्य महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय परिसरों में ही होता है। इस परिपेक्ष्य में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय अमरकंटक सत्र 2025 की नवीन कार्यकारिणी घोषित की गई, घोषणा में नवीन कार्यकारिणी इकाई गठन में विभाग संगठन मंत्री सावन सिंह जिला विस्तारक शिवेंद्र चतुर्वेदी, विभाग संयोजक अखिलेश सिंह, जिला संयोजक प्रणव मिश्रा उपस्थित रहे। सत्र 2025 इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय की नवीन कार्यकारिणी मे उपाध्यक्ष के रूप में पावनी ताम्रकार, दिव्यांश मिश्रा, पुष्पेंद्र सिंह, अमन परमार, अंकित मिश्रा, सह मंत्री के रूप में आरजू साहू, अंजली सिंह अर्पित मिश्रा, एकांत केसरवानी, श्रवण तिवारी, साहिल सिंह, एवं अन्य प्रमुख दायित्व में उज्जवल सिंह, अंजलि अग्रवाल, वंदना रजक, तानिया गुप्ता, दिव्यांश द्विवेदी, आयुष सोनी, आदित्य तिवारी, हिमांशी राठौर, आयुष सिंह नितेश मौर्य, अंशु पुरी भावेश, सजल जायसवाल, राज बैगा आदि कई कार्यकर्ताओं की घोषणा की गई।

इस बार 6 दिनों का होगा दीपावली का त्योहार

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व को दिवाली या दीपावली भी कहा जाता है। इस पर्व में धनतेरस, नरक चतुर्दशी छोटी दिवाली, दिवाली लक्ष्मी पूजा, गोवर्धन पूजा और भाई दूज शामिल हैं। यह पर्व कार्तिक महीने के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी से शुरू होता है और शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि तक मनाया जाता है। यह प्रकाश और समृद्धि का प्रतीक है, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतिनिधित्व करता है। इस उत्सव में हर दिन का अपना विशेष महत्व और अनुष्ठान होता है। पंचायती मंदिर के पुजारी पंडित कुंज बिहारी मिश्रा ने बताया कि दिपावली का पर्व 20 अक्टूबर दिन सोमवार को मनाया जाएगा। उन्होंने ने बताया कि इस बार 6 दिनों का दीपावली का त्योहार होगा। पांच दिवसीय प्रकाश का पर्व कुछ ही दिनों में शुरू होने वाला है. पूरे 5 दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में धनतेरस, नरक चतुर्दशी, दिवाली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज जैसे त्योहार शामिल होते हैं, लेकिन इस बार दीपोत्सव 5 नहीं, बल्कि 6 दिनों का होने वाला है।

कब से है पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व

पंडित कुंज बिहारी मिश्रा ने बताया कि पांच दिवसीय प्रकाश पर्व की शुरुआत धनतेरस के साथ होती है और भाई दूज पर इसका समापन होता है। पांच दिनों तक मनाया जाने वाला यह त्योहार इस बार 6 दिनों का होने वाला है। इस साल पंच दीपोत्सव की शुरुआत 18 अक्टूबर से हो रही है, जिसका समापन 23 अक्टूबर को होगा। इस तरह से दीपोत्सव 5 नहीं, बल्कि 6 दिनों तक मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि मंगलवार को पंचायती मंदिर में गोवर्धन पूजा बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा एवं भगवान को 56 प्रकार का भोग लगाते हुए अन्नकूट का प्रसाद वितरण किया जाएगा। जहां नगर में लोग दीपावली त्यौहार की तैयारी में जुटे हुए हैं वही नगर में माता काली की प्रतिमा स्थापित करने के लिए समिति के द्वारा पंडाल तैयार करने की तैयारी मे लगे हुए हैं। नगर के गुरुद्वारा के पास अटल चौपाटी पुरानी बस्ती वार्ड क्रमांक 7 शिशु भारती स्कूल के पास काली जी की प्रतिमा स्थापित कर भव्य रूप से पूजा पाठ किया जायेगा। काली पूजा के दौरान खप्पर नृत्य आकर्षण का केंद्र रहता है।